दैनिक भास्कर

कानपुर में अवैध शराब कारोबार का भंडाफोड़:क्राइम ब्रांच ने पकड़ी 1500 लीटर शराब, 20 जिलों में थी सप्लाई, स्पिरिट मिलकर बनाते थे शराब

कानपुर

देशी शराब की बोतलें बनाने के आड़ में अवैध और नकली शराब के धंधे का पुलिस कमिश्नरेट कानपुर की क्राइम ब्रांच ने भंडाफोड़ किया है। थाना पनकी क्षेत्र में चल रही फैक्ट्री से प्रदेश के करीब 20 जनपदों में नकली शराब के लिए बोतले, क्यूआर कोड व अन्य सामग्री मुहैया कराई जा रही थी। छापेमारी करके क्राइम ब्रांच ने बड़ी मात्रा में देशी शराब की खाली बोतलें, ढक्कन और क्यूआर कोड के साथ ही 1500 लीटर अवैध शराब भी बरामद की है। करीब ढाई सालों से चल रहे इस धंधे में लिप्त चार अभियुक्तों को भी पुलिस ने धर दबोचा है।

ऐसे चल रहा था खेल...

पनकी में एसके इंटरप्राइजेज नाम से देशी शराब की पैकिंग जिसमें बोतल, ढक्कन, क्यूआर कोड बनाने की फैक्ट्री है। इन बोतलों में सुपीरियर नाम की देशी शराब पैक की जाती है। इसकी सप्लाई का एग्रीमेंट जनपद बरेली में प्रतिदिन 2000 बोतलों का है। यह फैक्ट्री EWS बर्रा-2 निवासी अनुज वर्मा उर्फ श्रीकांत वर्मा की है।

20 जिलों में थी सप्लाई...

एसके इंटरप्राइजेज नाम की बाटल बनाने की कंपनी के माध्यम से प्रदेश के जिलों में पिछले ढाई वर्षों से अवैध देशी शराब की खाली बोतले, अवैध शराब सहित अन्य उपकरण सप्लाई कर रहे थे। अभियुक्तों द्वारा प्रतिदिन 16000 बोतल बनाई जाती थी। इसमे मात्र 2000 बोतल अधिकृत थीं। प्रतिमाह करीब 4,00,000 बोतल अनाधिकृत तरीके से प्रदेश में बेची जा रही थी।

200 (स्पिरिट)शराब को 600 लीटर बनाते थे...

बोतल के अतिरिक्त एथाइल एल्कोहल, बोतल के ढक्कन,रैपर, QR कोड आदि काफी समय से सप्लाई किया जा रहा था। इनके द्वारा 200 लीटर इथाइल अल्कोहल ₹28000 ली जाती थी जिसमें लगभग विक्रेता के द्वारा 3 गुना पानी मिलाकर उसे 600 लीटर बनाया जाता था। इस प्रकार प्रति 1 लीटर शराब की लगभग लागत कीमत ₹50 थी जिसको लगभग 5 क्वार्टर (Quarter) बनाकर प्रति क्वार्टर ₹110 कीमत पर बेचा करते थे।

यह काम था इनके जिम्मे...

मौके से गिरफ्तार हुए अभियुक्तों में से सभी का काम बंटा हुआ था। फैक्ट्री मालिक अनुज अवैध शराब और शराब सामग्री का ठेका लिया करता था। दूसरा अभियुक्त राजू गुप्ता लोडर से सप्लाई करने का काम करता था। मो जाकिर उर्फ गुल्लू दिल्ली से क्यूआर कोड लेकर आता था। मो शान खाली बोतलों में नकली शराब भरने का काम करता था।

प्रदेश में यहां की जा रही थी सप्लाई... इस शराब को यह लोग मैनपुरी, बलरामपुर,फर्रुखाबाद, हरदोई,बाराबंकी,आगरा, गोंडा, फतेहपुर, उन्नाव, मैनपुरी, अलीगढ़,महोबा में सप्लाई करते थे।

यह हुई बरामदगी...

1400 लीटर अवैध शराब, 50000 ढक्कन, 5,000 QR कोड, लाखों बोतल कैप्सूल, 2000 शराब की भरी बोतलें, एक आल्टो कार, एक लोडर, एक बाइक, एक डिग्री नापने वाला मीटर, 225 बोतल क्वार्टर तैयार मस्तीहू ब्रांड।

Source: https://www.bhaskar.com/local/uttar-pradesh/kanpur/news/crime-branch-caught-1500-liters-of-liquor-supply-was-in-20-districts-spirits-used-to-make-liquor-together-128750710.html